कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (6) खण्ड -{11}

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1- तुमने 84 जन्मों का पार्ट बजाया, तुम बैरिस्टर बने, राजा बने। अब तुम .....बनते हो।

A- विश्व के मालिक

B- ब्रह्माकुमार ब्रह्मकुमारी

C- ईश्वरीय संतान

D- ब्रह्मा मुखवंशावली

प्रश्न सं 2-कौन सी ड्रिल नम्बरवन ड्रिल है, इससे वायुमण्डल में सन्नाटा छा जाता है, बाप का डायरेक्शन है - इसी ड्रिल का

अभ्यास करो ?

A- निराकारी

B- अशरीरी

C- देही अभिमानी

D- फरिश्ता

प्रश्न सं-3- जब मुहब्बत के झूले में झूलते रहेंगे तो .....समाप्त हो जायेगी ?

A- देहभान

B- मेहनत

C- विध्न

D- माया

प्रश्न सं 4-ब्रह्मा वंशी उसको कहते हैं - जो ब्रह्मा के द्वारा अविनाशी ज्ञान लेकर ..... .बनते हैं?

A- देवता

B- ब्राह्मण

C- पवित्र

D- फरिश्ता

प्रश्न सं 5-अभी बाप को बहुत रहम आता है क्योंकि जानते हैं बच्चे माया अर्थात् 5 भूतों के वश हो पड़े हैं। परवश हैं, उनको अब ..... करता हूँ।

A- सुखी

B- मुक्त

C- लिबरेट

D- गाइड

प्रश्न सं 6-बाप जानते हैं यह माया ही सबका बड़े ते बड़ा दुश्मन है इसलिए मैं आया हूँ। परन्तु हूँ मैं.... इसलिए मुझे पहचानते नहीं।

A- निराकार

B- विचित्र

C- अदृश्य

D-बिन्दु स्वरूप

प्रश्न सं 7- कौन से साधन हैं, उन साधनों में यह नगाड़ा बजता रहेंगा - मेरा बाप आ गया?

A- साइंस के

B- साइलेन्स के

C- भक्ति के

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 8-सतयुग में जो देवी-देवता होंगे उन्हों के ही..... जन्म होंगे।

A-8 जन्म

B-21 जन्म

C-84 जन्म

D-उपरोक्त सभी।

पार्ट (6) खण्ड {11} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1. A विश्व का मालिक

जब स्टूडेन्ट बैरिस्टर बनने के लिए पढ़ते हैं तो बैरिस्टर से योग लगाते हैं और बैरिस्टर बन जाते हैं। आपका योग है परमपिता परमात्मा से, तो डबल सिरताज बनते हो। हथियारों से कोई विश्व का मालिक नहीं बन सकता। उनके पास विज्ञान है और आपके पास मौन है। इसलिए सिर्फ बाप और चक्र को याद करो और दूसरों को भी आप समान बनाओ, तो योगबल से *विश्व के मालिक* बन जाते हो।

उत्तर सं 2. B अशरीरी।

अशरीरी स्तिथि माना इस 5 तत्वों से बने शरीर से एकदम अलग हो जाना। अशरीरी अर्थात शरीर के भान से परे। शरीर अलग आत्मा अलग। देह, देह की दुनिया, देह के सम्बन्धों से न्यारे हो जाओ। शरीर निर्वाह अर्थ कर्म करने के लिए शरीर में आना और

फिर कर्म करके देह में होते भी देह से न्यारे, अपने निराकार बिन्दु स्वरूप में स्थित हो जाना। *अशरीरी* हो जाना, यही अभ्यास बार बार करना है। स्मृति में रहे अब घर जाना है। बाप का डायरेक्शन है - इसी ड्रिल का अभ्यास करो।

उत्तर सं 3. B मेहनत ।

बापदादा को बच्चों से प्यार है ना। तो प्यार की निशानी है, प्यार वाले की मेहनत देख नहीं सकते। बापदादा तो उस समय यही सोचते कि बापदादा साकार में जाकर इनको कुछ बोले, लेकिन अब तो आकारी, निराकारी है। बिल्कुल सभी मेहनत से दूर मुहब्बत के झूले में झूलते रहो। *जब मुहब्बत के झूले में झूलते रहेंगे तो मेहनत समाप्त हो जायेगी।* मेहनत को खत्म करें, खत्म करें नहीं सोचो। सिर्फ मुहब्बत के झूले में बैठ जाओ, *मेहनत* आपे ही छूट जायेगी। छोड़ने की कोशिश नहीं करो, बैठने की, झूलने की कोशिश करो।

उत्तर सं 4. C पवित्र

ब्राह्मण जीवन का अर्थ ही है *पवित्र* आत्मा और ये पवित्रता ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन है। ये फाउण्डेशन सदा अचल-अडोल रहना ही ब्राह्मण जीवन का सुख प्राप्त करना है।

उत्तर 5-"C" लिबरेट।

बाप को रहमदिल-मर्सीफुल और प्यार का सागर कहा जाता हैं? बाप को बहुत रहम आता है क्योंकि जानते हैं।बच्चे माया अर्थात् 5 भूतों के वश हो पड़े हैं। परवश हैं,उनको अब *लिबरेट* करता हूँ। बाप कहते हैं बच्चे अब मेरे कारण वा इस भारत अथवा सारे युनिवर्स के कारण तुम मेरी मत पर चलो। मुझे याद करो और रहम दिल भी बनो। सबको बाप का परिचय दो।

बाप बहुत रहमदिल है, प्यार का सागर है। बाप बहुत रहम करते हैं, उनको कहा जाता है मर्सीफुल।

उत्तर 6-"B" विचित्र।

। बाप जानते हैं यह माया ही सबका बड़े ते बड़ा दुश्मन है इसलिए मैं आया हूँ। परन्तु हूँ मैं *विचित्र*, इसलिए मुझे पहचानते नहीं। आगे समझते थे कि कृष्ण ने आकर राजयोग सिखाया, स्वर्ग का

मालिक बनाया था। परन्तु कब और कैसे बनाया - यह नहीं जानते। इस आश्चर्य को नहीं जानते। परन्तु मैं *विचित्र* ही अब आकर स्वयं ज्ञान देता हूं।

उत्तर 7- "A" साइंस के।

सबके दिल से यह आवाज़ निकले हमारा बाप आ गया है, मेरा बाप है। ब्रह्माकुमारियों का बाप नहीं, मेरा बाप है। जब सभी के दिलों से आवाज़ निकले कि मेरा बाप है, तब ही यह आवाज़ चारों ओर नगाड़े के माफिक गूँजेगा। जो भी *साइंस के* साधन हैं, उन साधनों में यह नगाड़ा बजता रहेगा - मेरा बाप आ गया। अभी जो भी कर रहे हो, बहुत अच्छा किया है और कर रहे हो। लेकिन अभी सबका इकठ्ठा नगाड़ा बजना है। जहाँ भी सुनेंगे, एक ही आवाज़ सुनेंगे। आने वाले आ गये - इसको कहा जाता है बाप की स्पष्ट प्रत्यक्षता। अभी नाम प्रसिद्ध हुआ है। पहला कदम नाम प्रत्यक्ष हुआ है कि ब्रह्माकुमारियां - ब्रह्माकुमार अच्छा काम कर रहे हैं।

उत्तर 8- "C" 84 जन्म।

सतयुग में जो देवी देवता होंगे उनके ही 84 जन्म होंगे।सतयुग में सनातन देवी-देवताओं के ही 84 जन्म होते हैं. कुछ लोगों का मानना है कि लक्ष्मी-नारायण 84 जन्म लेते हैं. बाप कहते हैं कि लक्ष्मी-नारायण 84 जन्म लेते हैं और फिर उनके ही बहुत जन्मों के अंत में मैं प्रवेश करके यह बनाता हूं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (6) खण्ड -{12}

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1- याद ही..... है जिससे आत्मा पावन बनती है। विकर्म विनाश हो जाते हैं।

A- करेंट

B- योग बल

C- योग अग्नि

D- बल

प्रश्न सं 2- बिना..... के माला में कैसे आयेंगे? माला कब बनती है? जब दाना दाने से मिलता है और एक ही धागे में पिरोये हुए होते हैं।

A- योग

B- सेवा

C- परिवार

D-धारणा

प्रश्न सं 3- कौनसे दो शब्दों की पढ़ाई है -इन्हीं दो शब्दों में चक्कर कहो, ड्रामा कहो, कल्प वृक्ष कहो सारी नॉलेज समाई हुई है?

A- आप और बाप

B- अल्फ और बे

C- मनमनाभव और मध्याजीव भव

D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न सं 4- सम्पूर्ण ब्रह्मा, सम्पूर्ण सरस्वती-दो नों कहाँ रहते है?

A- संगम पर

B- सूक्ष्मवतन में

C- स्वर्ग में

D- A और B दोनों सही

प्रश्न सं 5- कर्म करो लेकिन क्या बनके

काम करो ?

A- अव्यक्त फरिश्ता

B- निराकार

C- स्मृति स्वरुप

D -अशरीरी

प्रश्न सं 6-..... के आधार पर तुम विश्व में एक धर्म, एक राज्य की स्थापना करते

हो?

A- पवित्रता

B- साइलेन्स

C- पीस

D- शक्ति

प्रश्न सं 7-सतयुग में भी बच्चे..... पढ़ने स्कूल में जायेंगे ? टीचर होगा।

A- चित्रकला

B- शासन विद्या

C-राजविद्या

D- धनुर्विद्या

प्रश्न सं 8- ब्रह्मा बाप ने किस को शिक्षकन हीं बनाया, बेहद का वैराग्य आदि से अन्त तक रहा?

A- परिस्थितियों को

B- प्रकृति को

C -समय को

D- हद को

पार्ट (6) खण्ड {12} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1-"C" योग अग्नि।

याद ही योग अग्नि है जिससे आत्मा पावन बनती है. इसके लिए, आपको लगातार शिवबाबा को याद करते रहना है. योग, अग्नि के समान है, जिसमें तुम्हारे पाप जल जाते हैं, आत्मा सतोप्रधान बन जाती है. इसलिए एक बाप की याद में (योग में) रहो।आत्मा ही पतित बनती है फिर पावन बनती है. सतयुग में पावन थे फिर 84 जन्म ले पतित बने हैं।

उत्तर 2-"C" परिवार ।

बिना परिवार के माला में कैसे आयेंगे? माला कब बनती है? जब दाना दाने से मिलता है और एक ही धागे में पिरोये हुए होते हैं। अगर अलग¬अलग धागे में अलग¬ अलग दाना हो तो उसको माला नहीं कहेंगे। तो परिवार है माला। अगर परिवार को छोड़कर तीन निश्चय पक्के हैं तो भी विजय निश्चित नहीं है। चलो परिवार की खिटखिट से किनारा कर लो, बाप का सहारा हो, परिवार का किनारा हो, तो चलेगा? काम तो बाप से है या भाइयों से है? बाप से काम है, वर्सा बाप से मिलना है।

उत्तर 3. *A* आप और बाप

आप बच्चों के लिए रोज़ बाप शिक्षक बन आपके पास पढ़ाने आते हैं और कितना सहज पढ़ाते हैं। *दो शब्दों की पढ़ाई है - आप और बाप, इन्हीं दो शब्दों में चक्कर कहो, ड्रामा कहो, कल्प वृक्ष कहो सारी नॉलेज समाई हुई है।* और पढ़ाई में तो कितना दिमाग पर बोझ पड़ता है और बाप की पढ़ाई से दिमाग हल्का बन जाता है। हल्के की निशानी है ऊंचा उड़ना। हल्की चीज़ स्वत: ही ऊंची होती है। तो इस पढ़ाई से मन-बुद्धि उड़ती कला का अनुभव करती है।

उत्तर 4-. *B* सूक्ष्मवतन में।

त्रिमूर्ति ब्रह्मा कहने से ब्रह्मा की मत गाई हुई है। शिव को उड़ा दिया है। कहते हैं ब्रह्मा भी उतर आये। अब ब्रह्मा तो सूक्ष्मवतन से आकर मत देवे। अब तुमने यह समझा है, प्रजापिता ब्रह्मा को व्यक्त ब्रह्मा कहा जाता है। तुम अभी व्यक्त ब्राह्मण हो, फिर अव्यक्त सम्पूर्ण ब्राह्मण बनते हो। फिर तुम सूक्ष्मवतनवासी ब्राह्मण बन जायेंगे। *सम्पूर्ण ब्रह्मा, सम्पूर्ण सरस्वती – दोनों सूक्ष्मवतन में वहाँ रहते हैं।*

उत्तर 5-*D* अशरीरी।

कर्म करो लेकिन अव्यक्त फरिश्ता बनके काम करो। अशरीरीपन की स्थिति का जब चाहो तब अनुभव करो।* ऐसे मन और बुद्धि आपके कन्ट्रोल में हो। *आर्डर करो - अशरीरी बन जाओ। आर्डर किया और हुआ फरिश्ते बन जायें। जैसे मन को जहाँ जिस स्थिति में स्थित करने चाहो वहाँ सेकण्ड में स्थित हो जाओ।* ऐसे नहीं ज्यादा टाइम नहीं लगा, 5 सेकण्ड लग गये, 2 सेकण्ड लग गये। आर्डर में तो नहीं हुआ, कन्ट्रोल में तो नहीं रहा।

---

*उत्तर -6 *B* *साइलेन्स*

इसके आधार पर तुम विश्व में एक धर्म, एक राज्य की स्थापना करते हो - यह है साइलेन्स का घमन्ड"। तुम्हारा है साइलेन्स का घमन्ड, उन्हों का है साइंस का घमण्ड।

---

*उत्तर 7- *C* *राजविद्या*

बेहद का बाप कहते हैं मेरा कोई बाप नहीं। न टीचर है। सतयुग में भी बच्चे *राजविद्या* पढ़ने स्कूल में जायेंगे। टीचर होगा। हमारा कोई टीचर नहीं है। मैं तुमको राजयोग की शिक्षा देता हूँ। मैं कोई राजा-महाराजा नहीं बनूंगा। तुम बच्चे बनेंगे। पूज्य श्री लक्ष्मी, श्री नारायण थे। सतयुग में राज्य करते थे। यह निराकार बाप इस शरीर में विराजमान हो पढ़ाते हैं आत्माओं को।

---

*उत्तर 8 - *C* *समय*

ब्रह्मा बाप ने समय को शिक्षक नहीं बनाया, बेहद का वैराग्य आदि से अन्त तक रहा। *समय* के अनुसार तो सारे विश्व की आत्मायें

बदलेंगी लेकिन आप बच्चे समय का इन्तजार नहीं करो। समय को शिक्षक नहीं बनाओ।